the general elections 1989 are given below:—

Type of accommodation	Adhoc allotment made within 3 months before the General Elections 1989
Type-I	110
Type-II	381
Type-III	75
Type-IV	34
Type-V	36
Type-VI	11
Type-VII	2
Type-VIII	Nil
Hostel	11
	660

These allotments were made under the criteria mentioned against (a) above.

Schemes for development of railway network

499. SHRI NARESH C. PUGLIA : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) what is the number of schemes which have been drawn up or are being surveyed for developing the railway network in the country;

(b) the number of railway lines with length, cost and areas which are at present under construction;

(c) whether it is a fact that several States have demanded for extension of railway lines and conversion of metre gauge lines into broad-gauge lines ; and

(d) if so, the names of those lines which have been approved for extentions and connecting into broad-gauge lines ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI GEORGE FERNANDES) : (a) (b) and (d) The details of surveys for development of railway network are given in Demands for Grants Part II (Annexure A to Demand No.2). The details of railway lines under construction and approved for conversion to BG have been given in Works, Machinery and Rolling Stock Programmes of Railways Part II under each Railway. These documents have been furnished to Members of Parliament along with Budget documents.

(c) Yes, Sir.

यमुनापार क्षेत्र के लिए सब्जी मंडी बनाये जाने के लिए भूमि-अधिग्रहण

500. **श्रीमती सत्या बहिन :** क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि यमुनापार क्षेत्र के गोकुलपुरी के पास पश्चिमी ज्योति नगर में नई सब्जी मंडी के निर्माण के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा अधिगृहीत लगभग 500 बीघा सरकारी जमीन पुलिस अधिकारियों, दिल्ली विकास प्राधिकरण तथा प्रापर्टी डीलरों की सांठ गांठ से अनधिकृत रूप से बेच दी गई है ; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ख) भूमि का कब्जा वापस लिए जाने के लिए क्या उठाये गये हैं;

(ग) उपरोक्त सरकारी भूमि की बिक्री में शामिल कम्पनियों तथा प्रापर्टी डीलरों के नाम क्या-क्या हैं तथा जिन लोगों ने उक्त भूमि को खरीदा है, उनके नाम क्या-क्या हैं ;

(घ) उक्त भूमि के सौदे में शामिल दोषी लोगों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) दिल्ली में ऐसे मामलों की संख्या कितनी है जो सरकार के ध्यान में आये हैं तथा उन पर क्या कार्यवाही की जा रही है ?

शहरी विकास मंत्री (श्री मुरासोली मारन) : (क) जी, हां ।

(ख) से (घ) उपर्युक्त (क) में बताई गई स्थिति को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता । तथापि, दिल्ली विकास प्राधिकरण ने सूचित किया है कि इसकी भूमि पर अतिक्रमण करने के कई बार प्रयास किये गये है तथा अतिक्रमणों को हटाने के लिये क्रमशः 18-1-88, 5-6-88 तथा 16-1-90 को तीन बार कार्रवाई की गई थी तथा दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहण की गई भूमि पर सभी नये एवं हो रहे अतिक्रमण/अनधिकृत निर्माण को हटाया गया था । इसके अतिरिक्त, दिल्ली विकास प्राधिकरण ने 28 वेइमान व्यक्तियों के विरुद्ध 6 प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई थी । मुख्य सड़क पर चाहरदिवारी का निर्माण किया गया है । दिल्ली विकास प्राधिकरण के मुख्य भूमि स्थलों की सुरक्षा के लिए भूतपूर्व सैनिक/सुरक्षा गार्ड/पर्यवेक्षक नियुक्त किये गये हैं ।

(ङ) दिल्ली विकास प्राधिकरण ने सूचित किया है कि जसोला में दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहण की गई भूमि पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण/अनधिकृत निर्माण का एक और मामला था जहां बारम्बार गिराने की कार्यवाही करने के पश्चात् अक्तूबर, 1989 में लगभग 41.7 एकड़ भूमि पुनः प्राप्त की जा सकी ।

कृषि उत्पादन की विकास दर में कमी आना

501. **श्री राम जेठमलानी** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 27 फरवरी, 1990 के "हिन्दू" में "डिक्लाइन इन एग्रीकल्चरल प्रोडक्शन ग्रोथ रेट" नामक शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस दिशा में क्या सुधारात्मक कदम उठाये गये हैं ?

उप-प्रधान मंत्री और कृषि मंत्री (श्री देवी लाल) : (क) जी, हां ।

(ख) पूर्व हरित क्रांति के दौरान सभी मुख्य फसलों की अखिल भारतीय उत्पादन वृद्धि दर अधिक रही थी, यह मुख्यतः क्षेत्र विस्तार के कारण हुआ । हरित क्रांति के बाद की अवधि के दौरान यद्यपि क्षेत्र वृद्धि की दर में कमी आई है, तथापि उपज स्तर की वृद्धि अधिक रही है । वास्तव में, चावल, गेहूं, खाद्य न्न तथा सभी फसलों का उत्पादन और उनकी उत्पादकता वर्ष 1988-89 के दौरान अभी तक प्राप्त सबसे अधिक रही है ।

(ग) कृषि उत्पादन में और अधिक वृद्धि किए जाने की दृष्टि से सरकार द्वारा विभिन्न कदम उठाये गये हैं । इनमें निम्नांकित शामिल हैं :—

(1) सिंचाई सुविधाओं का विस्तार

(2) प्रति इकाई क्षेत्र में उर्वरक की खपत में वृद्धि ।

(3) फसलों को अधिक उपज देने वाली बौना तथा संकर किस्मों के अंतर्गत समाहित क्षेत्र का विस्तार ;